शहीदी दविस

प्रलिम्सि के लयि:

शहीदी दविस, भगत सहि, हदिुस्तान रपिब्लकिन एसोसएिशन, चंद्र शेखर आज़ाद, काकोरी केस

मेन्स के लयि:

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, भगत सहि और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान।

चर्चा में क्यों?

शहीदी दविस, जसि **शहीद दविस या सर्वोदय दविस** के रूप में भी जाना जाता है, प्रतविर्ष 23 मार्च को मनाया जाता है।

- ज्ञातव्य है क30 जनवरी, जसि दनि **महात्मा गांधी** की हत्या हुई थी, को **शहीद दविस** के रूप में मनाया जाता है न क**शहीदी** दविस के रूप में।

शहीदी दविस का इतिहास

- इसी दनि **भगत सहि, सुखदेव और राजगुरु** को ब्रटिशि सरकार ने वर्ष 1931 में फाँसी दी थी।
    - इन तीनों को वर्ष 1928 में ब्रटिशि पुलसि अधकिारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फाँसी पर लटका दयिा गया था। क्योकउिन्होंने जॉन सॉन्डर्स को **ब्रटिशि पुलसि अधीक्षक जेम्स स्कॉट समझकर** उसकी हत्या कर दी थी।
        - स्कॉट ने ही लाठीचार्ज का आदेश दयिा था जसिके कारण अंततः **लाला लाजपत राय** की मृत्यु हो गई।
    - लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने की सार्वजनकि घोषणा करने वाले भगत सहि इस गोलीबारी के बाद कई महीनों तक छपिते रहे और उन्होंने एक सहयोगी बटुकेश्वर दत्त के साथ मलिकर अप्रैल 1929 में दलि्ली में केंद्रीय वधािनसभा में दो वस्फिोट कयि।
        - **"इंकलाब जदिाबाद"** का नारा लगाते हुए खुद को गरिफ्तार होने दयिा।
- उनके जीवन ने अनगनित युवाओं को प्रेरति कयिा और उनकी मृत्यु ने इन्हें एक मसिाल के रूप में कायम कयिा। उन्होंने आज़ादी के लयि अपना रास्ता खुद बनाया और वीरता के साथ राष्ट्र हेतु कुछ करने की अपनी इच्छा को पूरा कयिा। उसके बाद कॉन्ग्रेस नेताओं द्वारा भी उनके मार्ग का अनुसरण कयिा गया।

भगत सहि के बारे में:

//

- **प्रारंभकि जीवन:**
  - भगत सहि का जन्म 26 सतिंबर, 1907 में भागनवाला (Bhaganwala) के रूप में हुआ तथा इनका पालन पोषण पंजाब के दोआब क्षेत्र में स्थति जालंधर ज़लि में संधू जाट कसिान परविार में हुआ।
    - ये एक ऐसी पीढ़ी से संबंधति थे जो भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दो नर्णायक चरणों में हस्तक्षेप करती थी- पहला लाल-बाल-पाल के 'अतवािद' का चरण और दूसरा अहसिक सामूहकि कार्रवाई का गांधीवादी चरण।
- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमकिा:**
  - वर्ष 1923 में भगत सहि ने नेशनल कॉलेज, लाहौर में प्रवेश लयिा, जसिकी स्थापना और प्रबंधन लाला लाजपत राय एवं भाई परमानंद ने कयिा था।
    - शक्षिा के क्षेत्र में स्वदेशी का वचिार लाने के उद्देश्य से इस कॉलेज को सरकार द्वारा चलाए जा रहे संस्थानों के वकिल्प के रूप में स्थापति कयिा गया था।
    - हदिुस्तान रपिब्लकिन एसोसएिशन के सदस्य के रूप में भगत सहि ने 'बम का दर्शन' (Philosophy of the Bomb) को गंभीरता से लेना शुरू कयिा।
      - क्रांतकिारी भगवती चरण वोहरा द्वारा प्रसद्धि लेख 'बम का दर्शन' लखिा गया। बम के दर्शन सहति उन्होंने तीन अन्य महत्त्वपूर्ण राजनीतकि दस्तावेज़ लखि जनिमें नौजवान सभा के घोषणापत्र (Manifesto of Naujawan Sabha) और एचएसआरए के घोषणापत्र (Manifesto of HSRA) थे।
    - उन्होंने ब्रटिशि साम्राज्यवाद के खलिाफ सशस्त्र क्रांत िको एकमात्र हथयिार माना।
  - वर्ष 1925 में भगत सहि लाहौर लौट आए और अगले एक वर्ष के भीतर उन्होंने अपने सहयोगयिों के साथ मलिकर 'नौजवान भारत सभा' नामक एक उग्रवादी युवा संगठन का गठन कयिा।
  - अप्रैल 1926 में भगत सहि ने सोहन सहि जोश के साथ संपर्क स्थापति कयिा तथा उनके साथ मलिकर 'श्रमकि और कसिान पार्टी' की स्थापना की, जसिने पंजाबी में एक मासकि पत्रकिा कीर्त िका प्रकाशन कयिा।
    - भगत सहि द्वारा पूरे जोश के साथ कार्य कयिा गया और अगले वर्ष वे कीर्त िके संपादकीय बोर्ड में शामलि हो गए।
  - उन्हें वर्ष 1927 में काकोरी कांड (Kakori Case) में संलप्ति होने के आरोप में पहली बार गरिफ्तार कयिा गया था तथा अपने वद्रिोही (Vidrohi) नाम से लखि गए लेख हेतु आरोपी माना गया। उन पर दशहरा मेले के दौरान लाहौर में एक बम वस्फिोट के लयि ज़म्मिेदार होने का भी आरोप लगाया गया था।
  - वर्ष 1928 में भगत सहि ने हदिुस्तान रपिब्लकिन एसोसएिशन का नाम बदलकर हदिुस्तान सोशलस्टि रपिब्लकि एसोसएिशन (HSRA) कर दयिा। वर्ष 1930 में जब आज़ाद को गोली मारी गई, तो उनके साथ ही HSRA भी समाप्त हो गया।
    - नौजवान भारत सभा ने पंजाब में HSRA का स्थान ले लयिा।
  - जेल में उनका समय कैदयिों के लयि रहने की बेहतर स्थित िकी मांग हेतु वरिोध प्रदर्शन करते हुए बीता। उन्होंने जनता की सहानुभूत िप्राप्त की, खासकर तब जब वे साथी अभयिुक्त जतनि दास के साथ भूख हड़ताल में शामलि हुए।
    - सतिंबर 1929 में जतनि दास की भूख से मृत्यु होने के कारण हड़ताल समाप्त हो गई। इसके दो साल बाद भगत सहि को दोषी ठहराकर 23 साल की उम्र में फाँसी दे दी गई।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/shaheed-diwas-1